दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

सत्र 2017–18

अभ्यास कार्य पत्र

कक्षाः छठी

विषयः हिंदी

खंड–क

प्र०1 प्रस्तुत गद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

ज्ञान के बिना मानव जीवन अधूरा है। ज्ञान ही प्रकाश है और प्रकाश ही मानव को सच्ची राह दिखाता है। वह मनुष्य ही क्या जिसने ज्ञान न प्राप्त किया। ज्ञान–प्राप्ति के साथ–साथ हमें सामान्य ज्ञान, जैसे आस–पास की खबर इत्यादि, भी रखना चाहिए। यह हमारे जीवन में अत्यंत उपयोगी है। इस सामान्य ज्ञान और हमारे मस्तिष्क को जोड़ने वाला एक अद्भुत माध्यम है 'समाचार–पत्र'। सर्वप्रथम समाचार–पत्र का प्रारंभ सत्रहवी शताब्दी में यूरोप में हुआ था। धीरे–धीरे अरब और मिस्र आदि देशों में इसका प्रसार बढ़ने लगा । अंग्रेजों के शासन काल में सन 1936 ई० में भारत में सर्वप्रथम 'बंगाल गजट' नामक पत्र प्रकाशित हुआ। हिंदी में सर्वप्रथम 'उद्दंड मार्तंड नामक पत्र कोलकता से प्रकाशित हुआ। राजा मोहन साय ने 'कौमुदी' और ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने 'प्रभाकर' पत्र निकाला। इस प्रकार समाचार–पत्र का दिन दूना , रात चौगुना विकास होता चला गया। समाचार–पत्र कई प्रकार के होते है– दैनिक , पाक्षिक , साप्ताहिक, मासिक आदि। समाचार–पत्र ज्ञान–प्राप्ति का एक सशक्त माध्यम है। अतः हमारे लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है।

1. सबसे पहले समाचार–पत्र का आरंभ कब और कहाँ हुआ था?
2. भारत में सर्वप्रथम कौन–सा पत्र प्रकाशित हुआ?
3. 'प्रभाकर' पत्र किसने निकाला था?
4. समाचार–पत्र कितने प्रकार के होते है? किन्हीं दो के नाम लिखे।
5. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्र०2 प्रस्तुत काव्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

संकटों से वीर घबराते नहीं,
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।
लग गए जिस काम में पूरा किया,
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं।।

क. वीर संकटों को देखकर क्या करते है ?
ख. काम करके व्यर्थ कौन नहीं पछताते है?
ग. उपयुक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

खंड–ख

प्र०3 प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट करे :–

सिंहासन हिल उठे, राजवंशों ने भृकुटी तानी थी
बूढ़े भारत में भी आई फिर से नयी जवानी थी
गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी
दूर फ़िरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।
चमक उठी सन सत्तावन में
वह तलवार पुरानी थी।
बुंदेले हर बोलो के मुँह
हमने सुनी कहानी थी
खूब लडी मर्दानी वह तो
झाँसी वाली रानी थी।।

प्र०4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें।

क. सिडनी से मेलबॉर्न के सफ़र का वर्णन कीजिए?

ख. गिलहरियों के परिवार को देखकर लेखिका को क्या याद आया ? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

ग. महादेवी ने नेहरू जी के व्यक्तित्व का वर्णन कैसे किया है ?

प्र०5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें।

क. हिरण ने किसकी आवाज में लक्ष्मण और सीता को पुकारा?

ख. जंगल में टूटा पडा रथ किसका था?

ग. रावण ने सीता को किनकी निगरानी में कहाँ रखा?

प्र०6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :–

क. जो सरलता से प्राप्त हो ————— (अनेक शब्दों के लिए एक शब्द)

ख. अ + ————— = अस्थायी (नया शब्द बनाकर खाली जगह भरे)

ग. समाज + इक = ————, वर्ष + इक = ———— ('इक' प्रत्यय का प्रयोग करके शब्द लिखें)

घ. सिलना, पीसना (किया से भाववाचक संज्ञा में बदले)

प्र०7. मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर लिखें।

सच्चा देशभक्त हम किसे कह सकते है ? अपने शब्दों में लिखें।

प्र०8. निम्न शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाए :–

वास्तुकार, निरीक्षण, दशक, अतीत

खंड–ग

प्र०9 निर्देशानुसार उत्तर लिखें :–

क. बिजली, मृग (पर्यायवाची शब्द लिखें)

ख. साफ़–साफ़ कहने वाला (अनेक शब्दों के लिए एक शब्द)
कम खर्च करने वाला

ग. वक्ष, वृक्ष (श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द)

घ. टका–सा जवाब देना (मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाए)
सिर आँखों पर बैठाना

ङ. नासिका, मयूर, आम्र, कर्ण (तत्सम् शब्दों को तद्भव में बदले)

च. बैलगाड़ी, पुस्तक, पीतांबर (रचना के आधर पर भेद बताए)

छ. सीमा बाज़ार गई और जल्दी से लौट आई (रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखें)

ज मोहन ने खाना खाया। (निषेधवाचक वाक्य में परिवर्तित करे)

झ नर + इंद्र , हिम + आलय (संधि कीजिए)

प्र०10 लघु उत्तर प्रश्नों के उत्तर लिखें

क. राष्ट्रभाषा और मातृभाषा में अंतर स्पष्ट करें।

ख. शब्द किसे कहते है ? इसके कितने भेद है ?

ग. संधि किसे कहते है इसके कितने भेद है ? नाम लिखें।

प्र०11. अति लघु उत्तर प्रश्नों के उत्तर लिखें:–

क. प्रयोग के आधार पर शब्द के कितने भेद है ? नाम लिखें।

ख. वाक्य के अंगों के नाम लिखिए।

ग. निजवाचक सर्वनाम का एक उदाहरण लिखिए।

प्र०12. निम्नलिखित विषय पर पत्र लिखिए:–

क. परीक्षा में असफल होने पर अपने मित्र को फिर से अध्ययन करने के लिए प्रेरणा देते हुए पत्र लिखिए।

प्र०13. अभिलाषा पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या 114 में दिए गए चित्र का वर्णन करे।